No. 896404 1989 Himachal Government Judicial Paper

Presented by Sh. Bannu Ram, executant identified by Sh. Ramesh Kumar

registered

16/11/90

R.S.

वसीयत नामा।

मैं कि कणू राम पुत्र श्री कालू राम वासी गएदोन पलासों तह. पच्छाद जिला सिरमौर हिमाचल प्रदेश का हूँ।

जो कि मेरी आयु इस समय लगभग 86 साल की हो चुकी है। इस जिन्दगी नापायदार का कोई भरोसा नहीं कि किस वक्त और किस जगह साकर आदमी मर पड़ जाये। मेरे एक लड़की श्रीमति केलवती है मैंने उस की शादी की हुई है, और जो हिस्सा मैंने उस को देना था वह मैंने उस को दे दिया है। श्रीमति जानकी देवी मेरी बीवी [illegible] है। मैंने मिति 1.12.85 को एक वसीयत पहले श्री इन्दु दत्त पुत्र श्री कृष्ण राम साकना गनयाना नाली तह. पच्छाद जो मेरे [illegible] भाई का लड़का है व श्रीमति केलवती उपरोक्त बहिस्सा बराबर की थी। लेकिन आइन्दा मैं इन के नाम अपनी वसीयत नहीं रखना चाहता और मैं बसेहत नफ्स व सबात अक्ल होश व हवास खुद बिला किसी दबाव व बहकावे के साबका वसीयत को मन्सूख करता हूँ और जदीद वसीयत तहरीर करता हूँ कि बाद वफात मेरे मेरी कुल जायदाद मनकूला व गैर मनकूला हर किस्म जो भी मौजा गएदोन पलासों तह. पच्छाद में है या अन्य किसी भी मौजा में है या आइन्दा होगी के मालिक सर्व श्री सतीश कुमार व रतन सिंह पुत्र श्री इन्दु दत्त पुत्र श्री कृष्ण राम वासी गनयाना नाली तह. पच्छाद बहिस्सा बराबर होंगे। श्रीमति केलवती व इन्दु दत्त को व इनके अन्य किसी को भी मेरी जायदाद से कोई सरोकार न होगा। अगर कोई शख्स दावा करेगा तो वह झूठा होगा और अदालत में [illegible] होगा। नामजदगान मजकूर ही मेरे लेन देन के जिम्मेदार होंगे। और बाद वफात मेरे क्रिया कर्म करने के जिम्मेदार होंगे। नामजदगान मजकूर मेरे [illegible] भाई के

कणू राम

№ 896406 Himachal Government Judicial Paper

पोते हैं और जो भी पोते जन्मते हैं, नम्बरदार मज़कूर का यह
फ़र्ज़ होगा कि वे ता हयात [illegible] की सेवा करें और नान व
नफ़का देते रहें। बसूरत खिलाफ़ वर्जी मेरी बीवी भी [illegible] भी
को बज़रिये अदालत मजाज़ बा रसी हासिल करने का हक होगा।
वसीयत हज़ा का निफ़ाज़ मेरे मरने के बाद होगा। अतः यह चार
निकात शरीक वसीयत नामा के सामने पढ़कर सुनाई कि
[illegible] पर [illegible] और। नोट। मेरी मिलकियत जायदाद खुद
पैदा करदा है। नीज इस के अलावा साबका वसीयतों को मन्सूख
करता हूँ। मिति 16.11.90.

गवाह श्री [illegible] पुत्र श्री जीवा राम [illegible] सराहां ह. Roshan Lal Roshan Lal	[illegible] [illegible] वसी	गवाह श्री राम रतन पुत्र श्री [illegible] वाली [illegible] ह. Ravi Ratan Ravi Ratan